

२७२
३

पञ्चावली प्रकृत । वहील वही कुरु-पापलप
के पुकारे जाने पर ना तो वहील वहीगण
ना ही वहीगण-पापलप के लक्ष्य कम
हुए । कतः हस्तगत प्रमाण कदम हाथिरी
कदम पैकी में स्थिति किता जाता है। पापलप
किपताउता दक्षिण कतर होत नमक ले
कत है।

(पवन कुमार)
उपखण्ड अधिकारी
अनूपगढ़

